भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
24.07.2024 के
तारांकित प्रश्न सं. 22 का उत्तर

रेल पटरियों का विस्तार

***22. डॉ. नामदेव किरसान:**

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में, विशेषकर महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में वर्ष 2014 से अब तक वर्ष-वार कितनी नई रेल पटरियां बिछाई गई हैं, कितनी रेलगाड़ियां आरंभ की गई हैं और कितनी राशि व्यय की गई है;
(ख) देश में, विशेषकर गढ़चिरौली के लिए वर्ष 2014 से अब तक घोषित की गई नई परियोजनाओं की संख्या कितनी है; और
(ग) इन परियोजनाओं में से स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या कितनी है और उनका ब्यौरा क्या है और इस संबंध में कितने बजट का आवंटन किया गया है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

s.k

रेल पटरियों के विस्तार के संबंध में दिनांक 24.07.2024 को लोक सभा में डॉ. नामदेव किरसान के तारांकित प्रश्न सं. 22 के भाग (क) से (ग) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क): रेल परियोजनाओं का सर्वेक्षण/स्वीकृति/निष्पादन राज्य-वार/जिला-वार नहीं बल्कि क्षेत्रीय रेल-वार किया जाता है, क्योंकि रेल परियोजनाएं राज्य की सीमाओं के आर-पार फैली हो सकती हैं।

01.04.2024 की स्थिति के अनुसार, गढ़चिरौली सहित समूची भारतीय रेल में, लगभग 7.44 लाख करोड़ रुपये की लागत पर कुल 44,488 किलोमीटर लंबाई की 488 रेल अवसंरचना परियोजनाएं (187 नई लाइन, 40 आमान परिवर्तन और 261 दोहरीकरण) योजना/अनुमोदन/निर्माण चरण में हैं, जिनमें से 12,045 किलोमीटर लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च 2024 तक, लगभग 2.92 लाख करोड़ रुपये का व्यय किया गया है।

लागत, व्यय और परिव्यय सहित सभी रेल परियोजनाओं का जोन-वार/वर्ष-वार ब्यौरा भारतीय रेल की वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया जाता है।

यात्रियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, 2014-15 से 2023-2024 की अवधि के दौरान, भारतीय रेल में 1926 रेलगाड़ी सेवाएं शुरू की गईं। बहरहाल, चूंकि रेल नेटवर्क राज्य/जिले की सीमाओं के आर-पार फैला होता है, इसलिए नेटवर्क की आवश्यकता के अनुसार ऐसी सीमाओं के आर-पार रेलगाड़ियां चलाई जाती हैं। वडसा स्टेशन, जो मुख्य रूप से महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले के यात्रियों की आवश्यकताओं को पूरा करता है, पर वर्तमान में 15 रेलगाड़ी सेवाओं (एकल) द्वारा सेवा प्रदान की जा रही है। इसके अलावा, वडसा के यात्री नागभीड़, जो 30 कि.मी. दूर है, से भी सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। इसके अलावा, भारतीय रेल में रेलगाड़ी सेवाएं शुरू करना परिचालनिक व्यवहार्यता, यातायात औचित्य आदि के अध्यधीन एक सतत् प्रक्रिया है।

भारतीय रेल में नई लाइन, आमान परिवर्तन और दोहरीकरण परियोजनाओं के लिए औसत वार्षिक बजट आबंटन का ब्यौरा नीचे दिया गया है:

अवधि	औसत परिव्यय	2009-14 के दौरान औसत आबंटन की तुलना में वृद्धि
2009-14	11,527 करोड़ रुपए प्रतिवर्ष	-
2023-24	67,199 करोड़ रुपए	लगभग 6 गुना

s.k

भारतीय रेल में नई लाइनों, आमान परिवर्तन और दोहरीकरण खंडों की कमीशनिंग का ब्यौरा नीचे दिया गया है:-

अवधि	कमीशन की गई कुल लंबाई	कमीशन की गई औसत लंबाई	2009-14 के दौरान औसत कमीशनिंग की तुलना में वृद्धि
2009-14	7,599 किलोमीटर	4.2 किलोमीटर प्रतिदिन	-
2014-24	31,180 किलोमीटर	8.54 किलोमीटर प्रतिदिन	2 गुना से अधिक

<u>महाराष्ट्र</u>

01.04.2024 की स्थिति के अनुसार, गढ़चिरौली सहित महाराष्ट्र में पूर्णतः/आंशिक रूप से पड़ने वाली 81,580 करोड़ रुपये की लागत पर कुल 5,877 किलोमीटर लंबाई की 41 परियोजनाएं (16 नई लाइनें, 02 आमान परिवर्तन और 23 दोहरीकरण) योजना/अनुमोदन/निर्माण चरण में हैं, जिनमें से 1,926 किलोमीटर लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च 2024 तक, 31,236 करोड़ रुपये का व्यय किया गया है।

गढ़चिरौली सहित महाराष्ट्र राज्य में पूर्णतः/आंशिक रूप से पड़ने वाली रेल अवसंरचना परियोजनाएं भारतीय रेल के मध्य रेलवे, दक्षिण मध्य रेलवे, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, दक्षिण पश्चिम रेलवे और पश्चिम रेलवे जोनों के अंतर्गत आती हैं।

महाराष्ट्र में पूर्णतः/आंशिक रूप से पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए औसत बजट आबंटन निम्नानुसार है:

अवधि	औसत परिव्यय	2009-14 के दौरान औसत आवंटन की तुलना में प्रतिशत अधिकता
2009-14	1,171 करोड़ रुपए प्रतिवर्ष	-
2023-24	13,539 करोड़ रुपए	लगभग 11.6 गुना

महाराष्ट्र राज्य में पूर्णतः/आंशिक रूप से आने वाली नई लाइनों, आमान परिवर्तन और दोहरीकरण खंडों की कमीशनिंग का ब्यौरा निम्नानुसार है:

अवधि	कमीशन की गई कुल लंबाई	कमीशन की गई औसत लंबाई	2009-14 के दौरान औसत कमीशनिंग की तुलना में वृद्धि
2009-14	292 किलोमीटर	58.4 किलोमीटर प्रतिवर्ष	-
2014-24	1,830 किलोमीटर	183 किलोमीटर प्रतिवर्ष	लगभग 3.13 गुना

s.k

(ख) और (ग): पिछले 10 वर्षों अर्थात् वित्त वर्ष 2014-15 से वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान, भारतीय रेल में, लगभग 3.67 लाख करोड़ रुपए की लागत पर 30,059 किलोमीटर कुल लंबाई की 401 परियोजनाएं (74 नई लाइन, 31 आमान परिवर्तन और 296 दोहरीकरण) बजट में शामिल की गई हैं, जिनमें से 60,041 करोड़ रुपए लागत तथा 5284 किलोमीटर कुल लंबाई वाली 37 परियोजनाएं (12 नई लाइन, 01 आमान परिवर्तन और 24 दोहरीकरण) पूर्णतः/आंशिक रूप से गढ़चिरौली सहित महाराष्ट्र राज्य में आती हैं जबकि पिछले 10 वर्षों अर्थात् वित्त वर्ष 2014-15 से वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान, भारतीय रेल में, लगभग 2.32 लाख करोड़ रुपए की लागत पर कुल 19,748 किलोमीटर लंबाई की 309 परियोजनाओं (नई लाइन, आमान परिवर्तन और दोहरीकरण) को स्वीकृत किया गया है, जिनमें गढ़चिरौली सहित महाराष्ट्र में पूर्णतः/आंशिक रूप से पड़ने वाली 32,250 करोड़ रुपये लागत तथा 3192 किलोमीटर कुल लंबाई की 26 परियोजनाएं (नई लाइन, आमान परिवर्तन और दोहरीकरण) शामिल हैं।

वडसा-गढ़चिरौली (52 कि.मी.) नई रेल परियोजना को महाराष्ट्र सरकार के 50:50 लागत में हिस्सेदारी के आधार पर स्वीकृत किया गया है। मार्च, 2024 तक इस परियोजना पर 337.36 करोड़ रूपए का व्यय किया गया है। 2023-24 में पूरी भूमि (220.46 हेक्टेयर) अधिग्रहीत कर ली गई है और वन/वन्य जीव क्लीयरेंस प्राप्त हो गई है।

किसी(किन्हीं) भी रेल परियोजना(ओं) का पूरा होना राज्य सरकार द्वारा त्वरित भूमि अधिग्रहण, वन विभाग के पदाधिकारियों द्वारा वन संबंधी स्वीकृति, लागत भागीदारी परियोजनाओं में राज्य सरकार द्वारा अपना हिस्सा जमा करना, परियोजनाओं की प्राथमिकता, बाधक जनोपयोगी सेवाओं का स्थानांतरण, विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियां, उस क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और स्थलाकृतिक परिस्थितियां, परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति, जलवायु परिस्थितियों के कारण परियोजना विशेष के स्थल के लिए वर्ष में कार्य के महीनों की संख्या आदि जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है और ये सभी कारक परियोजना(ओं) के समापन समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

*****

s.k